हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 310 : जौनपुर, शुक्रवार 11 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

लखनऊ से काशी की यात्रा अब 55 मिनट में

मुख्यमंत्री ने किया इंडिगो की सीधी उड़ान सेवा का उदघाटन

एजेन्सी

लखनऊ। इंडिगो एयरलाइंस ने लखनऊ से वाराणसी के बीच आज गुरुवार से अपनी नई और सीधी विमान सेवा की शुरुआत की। विमान सेवा प्रारंभ किए जाने के बाद अब लखनऊ से वाराणसी के बीच की दूरी महज 55 मिनट में तय की जाएगी। अब लखनऊ से वाराणसी के बीच आवागमन में काफी सहूलियत होगी। एक घंटे के अंदर लखनऊ से विमान में बैठकर उड़ान भरने के बाद लोग वाराणसी पहुंच जाएंगे। इस रूट पर काफी समय से विमान सेवा प्रारंभ किए जाने की मांग की जा रही थी। इस सेवा का उद्घाटन गुरुवार को सीएम योगी ने लखनऊ से वाराणसी की सीधी फ्लाइट को हरी झंडी दिखा कर

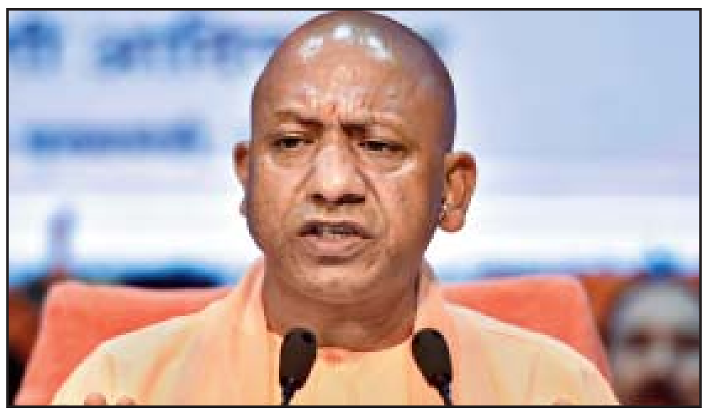

किया।इस दौरान उन्होंने इंडिगो परिवार को बधाई दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में हवाई सेवा जरूरी है। पहले घरेलू एयरपोर्ट पर काम नहीं किया गया। लखनऊ से काशी की सीधी उड़ान से श्रद्धालुओं को लाभ होगा। यूपी में पिछले 6 साल में एयर कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ है।यूपी में आध्यात्मिक और भौतिक विकास हुआ है। यूपी के कई शहरों में हवाई सेवा शुरू की गई है।हम केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं. यूपी को एयरपोर्ट का हब बना रहे हैं।3 महीने में अयोध या एयरपोर्ट तैयार हो जाएगा। सीएम योगी ने पहली महिला यात्री को टिकट दिया। यह विमान सप्ताह में केवल 3 दिन संचालित होगी। यात्रियों की संख्या और मांग बढ़ी तो उड़ान का दिन बढ़ाया जा सकता है। इंडिगो एयरलाइंस के शेड्यूल के मुताबिक वाराणसी और लखनऊ के बीच नई और सीधी विमान सेवा प्रारंभ की जा रही है। एयरलाइंस का एटीआर विमान सप्ताह में तीन दिन मंगलवार गुरुवार और शनिवार को संचालित होगा।लखनऊ एयरपोर्ट से इंडिगो एयरलाइंस का विमान 6ई 7319 विमान दोपहर 2.20 बजे उड़ान भरेगा जो 3.30 बजे वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंच जाएगा। ऐसे में लखनऊ से वाराणसी आने वाले लोग इस विमान का इस्तेमाल करते हुए आसानी से वाराणसी पहुंच जाएंगे। वाराणसी से लखनऊ के बीच इंडिगो एयरलाइंस का विमान 6ई 7321 संचालित होगा जो सायं 4.05 बजे वाराणसी एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए उड़ान भरेगा और 5 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरेगा। वाराणसी से लखनऊ के बीच की दूरी महज 55 मिनट में हो जाएगी। वाराणसी से लखनऊ का किराया 4000 से अधिक रखा गया है। लखनऊ से वाराणसी आने का किराया 5000 से अधिक है। अधिकारियों द्वारा यह भी बताया गया कि फ्लेक्सी फेयर होने के चलते किराए में उतार–चढ़ाव होता है।यदि हवाई यात्रा करना चाहते हैं तो तत्काल का किराया ऑनलाइन सर्च कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में दिखने लगी है एकजुटता

एजेन्सी

रायपुर। देश में कांग्रेस जिन राज्यों में सबसे ज्यादा मजबूत है उनमें से एक छत्तीसगढ़ है। यहां गाहे–बगाहे पार्टी में खींचतान और टकराव नजर आ जाती थी, मगर बीते कुछ दिनों में किए गए बदलाव ने पार्टी के नेताओं को करीब ला दिया है, अब तो पार्टी में एकजुटता नजर आने लगी है। राज्य में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं और कोई भी राजनीतिक दल यह नहीं चाहता कि चुनाव से पहले गुटबाजी उभरे या फिर आपसी खींचतान की संभावना बढ़े, लिहाजा पार्टी ने बीते दिनों कुछ फैसले किए जिसके मुताबिक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मोहन मरकाम से लेकर दीपक बैज को सौंपी गई, तो टी एस सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। किसी तरह की नाराजगी न पनपे इसलिए मोहन मरकाम को भी कैबिनेट में जगह दी गई। एक मंत्री प्रेमसाय टेकाम को मंत्री पद से हटाया गया तो उन्होंने जरूर अपनी नाराजगी जताई।

राहुल गांधी को काफी कुछ सीखने की जरूरत : केशव

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी कभी भारत जोड़ो की बात करते हैं तो कभी भारत माता की हत्या की बात करते हैं।उन्हें अभी काफी कुछ सीखने की जरूरत है।डिप्टी सीएम केशव ने अपने बयान में कहा कि एक छोटा बच्चा भी दो तीन साल में बोलना सीख जाता है पर इतनी ज्यादा उम्र हो जाने पर भी राहुल गांधी कुछ नहीं सीख पाए। वो सदन में कभी आंख मारते हैं। कभी गले लगते हैं। कभी फ्लाइंग किस करते हैं। उन्हें अभी काफी कुछ सीखने की जरूरत है।राहुल गांधी पर भाजपा की कई महिला सांसदों ने लोकसभा में फ्लाइंग किस का इशारा करने का आरोप लगाया है और पत्र पर हस्ताक्षर कर लोकसभा अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की है।

नूंह हिंसा के 2 आरोपियों का एनकाउंटर, सिलखो गांव में छिपे थे दंगाई

एजेन्सी

नूंह। नूंह हिंसा के बाद हरियाणा पुलिस लगातार एक्शन में है। पुलिस ने नूंह हिंसा के दो आरोपियों का एनकाउंटर किया है। इस दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी है। आरोपी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो आरोपियों मुनसैद और सैकूल को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। एनकाउंटर में सैकुल के पैर में गोली लगी है। दोनों आरोपी मुनसेद और सेकुल सिलखो गांव में छिपे थे। कहा जा रहा है कि इन आरोपियों ने पहले क्राइम ब्रांच तावडू के प्रभारी संदीप मोर की टीम पर गोली चलाई थी जिसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया। पुलिस की गोली सैकुल के पांव में लगी पुलिस ने बहरहाल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि हरियाणा के मेवात–नूंह में 31 जुलाई को ब्रजमंडल यात्रा निकाली गई थी। इसी दौरान यात्रा पर पथराव हो गया था। देखते ही देखते यह दो समुदायों में हिंसा में बदल गई और कई कारों को आग लगा दी गई थी। उपद्रवियों ने पुलिसकर्मियों पर भी हमला किया था। नूंह के बाद सोहना में भी पथराव और फायरिंग हुई थी। नूंह हिंसा में दो होमगार्ड समेत 6 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद नूंह, फरीदाबाद, पलवल समेत कई जगहों पर इंटरनेट बंद कर दिया गया था। इसके अलावा नूंह में कर्फ्यू लगाया गया था। 9 जिलों में धारा 144 और नूंह में कर्फ्यू लगाया गया था। इसके साथ ही अभी तक अकेले नूंह में ही 57 एफआईआर दर्ज हो चुकी है, जिसमें 188 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक पलवल, गुरुग्राम के सोहना और फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में नेट भी बंद करना पड़ा था। नूंह में अभी भी 11 अगस्त की रात 12 बजे तक नेट बंद और कर्फ्यू लागू है। हिंसा के बाद नूंह में सरकार का बुलडोजर एक्शन चल रहा था। सोमवार को हाईकोर्ट ने इसका सुओ–मोटो लेते हुए रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि क्या सरकार कानून की आड़ में जातीय संहार कर रही है। जिसके बाद नूंह के डीसी धीरेंद्र खड़गटा ने सारे अधिकारियों से कार्रवाई रुकवा दी। हालांकि, तब तक 3 दिनों में नूंह में 753 से ज्यादा घर–दुकान, शोरूम, झुग्गियां और होटल गिराए जा चुके हैं।

मिजोरम पर विपक्ष का राज्यसभा में हंगामा, कार्यवाही कल तक स्थगित

एजेन्सी

नयी दिल्ली। मिजोरम पर गृह मंत्री के एक बयान पर राज्यसभा में बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। भोजनावकाश के उपरांत सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन की कार्यवाही शुरु की तो मिजो नेशनल फ्रंट के के. वनलालवेना आसन के समक्ष आकर बोलने लगे। सभापति ने उन्हें अपनी सीट पर जाने के लिए कहा और सीट पर जाने के बाद बोलने की अनुमति देने की बात कही।थोडी देर बाद अनुमति मिलने पर श्री वनलालवेना ने मिजोरम पर गृह मंत्री के एक बयान का मामला उठाया तो सभापति ने इसकी अनुमति नहीं दी। इसके समर्थन में कांग्रेस और विपक्ष के अन्य सदस्य आसन के समक्ष आ गये और जोर जोर से नारेबाजी करने लगे। इस बीच विपक्ष के हंगामे के दौरान ही सभापति ने दो विधेयकों मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त नियुक्ति की सेवा शर्ते विधेयक 2023 और डाकघर संबंधित विधेयक सदन में पेश कराये। इसी दौरान भारी शोरगुल में फार्मेसी संशोधन विधेयक 2023 को बगैर किसी चर्चा के ध्वनिमत से पारित कराया गया। विपक्ष के सदस्य सभापति के आसन को घेर कर नारेबाजी करते रहे। सदन में सदस्यों के आक्रोष को देखते हुए बड़ी संख्या में मार्शलों को तैनात करना पड़ा। महिला मार्शलों को विशेष रुप से तैनात किया गया। स्थिति को देखते हुए सभापति ने सदन की कार्यवाही कल तक लिए स्थगित कर दी।

जबरदस्त हंगामे के बीच चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का बिल राज्यसभा में पेश

एजेन्सी

नयी दिल्ली। जबरदस्त हंगामे के बीच राज्यसभा में गुरूवार को मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल पेश किया गया। इसके विरोध में विपक्षी सांसदों ने जबरदस्त नारेबाजी की। इस दौरान इंडिया गठबंधन से जुड़े विपक्ष के अधिकांश सांसद सभापति के आसन के निकट वेल में आ गए। सदन की कार्यवाही के लिए नियम पुस्तिका दिखा रहे कुछ सांसदों ने इस दौरान सभापति के आसन तक पहुंचने की भी कोशिश की। हालांकि, इन सांसदों को रोकने के लिए तुरंत ही गार्ड तैनात कर किए गए, ताकि विरोध जता रहे सांसद सभापति के आसन तक न पहुंच सके। राज्यसभा में हुए इस जबरदस्त हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसी वर्ष मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि चुनाव आयुक्तों का चयन राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश वाले पैनल की सलाह पर किया जाएगा। वहीं, केंद्र सरकार एक ऐसा कानून बनाने के लिए यह विधेयक लाई है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं होगी। राज्यसभा में लाए गए इस विधेयक के मुताबिक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की समिति की सिफारिश के आधार पर की जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका तय की थी। सरकार के इस विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि है कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधान मंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधान मंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की समिति की सिफारिश पर की जाएगी। सरकार द्वारा लाए जा रहे इस नए बिल के मुताबिक प्रधानमंत्री इस पैनल की अध्यक्षता करेंगे। कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, सपा व आरजेडी समेत इंडिया गठबंधन के दल इस विधेयक के खिलाफ हैं। विपक्ष के सांसदों रणदीप सिंह सुरजेवाला, जॉन बिटास, प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है कि सरकार द्वारा लाए जा रहे इस बिल का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को कमजोर करना है।

धारा 144 के चलते पहलवानों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थगित की

एजेन्सी

नयी दिल्ली दिल्ली पुलिस द्वारा राजघाट, आईटीओ और लाल किले के आसपास के इलाकों में सीआरपीसी की धारा 144 लागू करने के बाद, भारतीय पहलवानों ने गुरुवार दोपहर को होने वाली अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थगित कर दी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले पहलवान विनेश, साक्षी और बजरंग ने घोषणा की थी कि वे गुरुवार को दिल्ली के राजघाट पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेंगे। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए विनेश ने अपने ट्वीट में लिखा था, सभी को नमस्कार, कल (गुरूवार) दोपहर 12.30 बजे हम दिल्ली के राजघाट पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। जय हिंद। बाद में, डीसीपी सेंट्रल ने ट्वीट किया, स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर, राजघाट, आईटीओ, लाल–किला आदि के आसपास के क्षेत्रों में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है। इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की सभा की अनुमति नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थगित होने के बाद विनेश फोगाट ने कहा, पुलिस ने राजघाट पर धारा 144 लगा दी है।

छोटे डिजिटल भुगतान की सीमा बढ़कर 500 रुपये : आरबीआई

एजेन्सी

मुंबई। ऑनलाइन भुगतान को बढ़ावा देने के लिए छोटे डिजिटल भुगतान की सीमा 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन कर दी है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को मौद्रिक नीति समिति की चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक बैठक के बाद कहा कि नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) और यूपीआई लाइट सहित ऑफलाइन मोड में छोटे मूल्य के डिजिटल भुगतान के लिए आरबीआई ने प्रति लेनदेन 200 रुपये की सीमा और 2000 रुपये की समग्र सीमा निर्धारित की है। इस मोड से लेनदेन का चलन तेजी से बढ़ने के बाद से लगातार ट्रांजेक्शन सीमा में बढ़ोतरी किये जाने की मांग होती रही है। भुगतान के इस तरीके को व्यापक रूप से अपनाने को प्रोत्साहित करने और अधिक उपयोग के मामलों को इस मोड में लाने के लिए अब प्रति ट्रांजेक्शन सीमा को बढ़ाकर 500 रुपये करने का प्रस्ताव है। हालांकि, दो–कारक प्रमाणीकरण में छूट से जुड़े जोखिमों को रोकने के लिए कुल सीमा 2000 रुपये पर बरकरार रखी गई है। इस संबंध में जल्द ही निर्देश जारी किये जायेंगे। श्री दास ने कहा कि यूपीआई–लाइट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नियर फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) तकनीक का उपयोग करके ऑफलाइन लेनदेन की सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव है। यह सुविधा न केवल उन स्थितियों में खुदरा डिजिटल भुगतान को सक्षम करेगी जहां इंटरनेट और दूरसंचार कनेक्टिविटी कमजोर है या उपलब्ध नहीं है बल्कि यह गति भी सुनिश्चित करेगी। इस संबंध में एनपीसीआई को जल्द ही निर्देश जारी किए जाएंगे।

इसके अलावा यूपीआई पर एक नया भुगतान मोड यानी 'बातचीत भुगतान' सेवा लॉन्च करने का प्रस्ताव है। यह यूजरों को सुरक्षित वातावरण में लेनदेन शुरू करने और पूरा करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)–संचालित प्रणाली के साथ बातचीत में शामिल होने में सक्षम करेगा। यह सुविधा स्मार्टफोन और फीचर फोन आधारित यूपीआई चौनल दोनों में उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे देश में डिजिटल पैठ को मजबूत करने में मदद मिलेगी। शुरुआत में यह सुविधा हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध होगी और बाद में इसे और अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा।

गोवा के नाइट क्लब में देर रात महिला से छेड़छाड़ करना डीआईजी को पड़ा महंगा, हुए सस्पेंड

एजेन्सी

पणजी गोवा में तैनात भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी ए कोआन को एक क्लब में एक महिला से छेड़छाड़ के आरोप लगने के बाद उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद से हटा दिया गया है और उन्हें राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के सामने पेश होने का आदेश दिया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गोवा के डीजीपी जसपास सिंह ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने 'राज्य सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट भेज दी है। गोवा सरकार के अवर सचिव (कार्मिक विभाग) नाथिन अराउजो ने बुधवार शाम को आदेश दिया कि कोआन तत्काल प्रभाव से डीजीपी के समक्ष पेश हों। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आश्वस्त किया है कि आरोपी आईपीएस अधिकारी के खिलाफ 'सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी पर सोमवार की रात राज्य में एक क्लब में एक महिला के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है। गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के विधायक विजय सरदेसाई की ओर से इस मामले को राज्य विधानसभा में उठाए जाने के बाद सावंत ने बुधवार को सदन में कहा कि ऐसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमित शाह ने कलावती के बारे में झूठ बोला, कांग्रेस ने गृह मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस दिया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस दिया और आरोप लगाया कि उन्होंने कलावती बंदूरकर नामक उस महिला के बारे में झूठ बोला है जिससे राहुल गांधी ने 2008 में मुलाकात की थी। सदन में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने लोकसभा अध्यक्ष को नोटिस सौंपा है। उन्होंने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''मैंने अमित शाह जी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस दिया है क्योंकि उन्होंने कल कलावती के विषय पर संसद को गुमराह किया। कांग्रेस ने कलावती का एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें वह राहुल गांधी की तारीफ करती सुनी जा सकती हैं। राहुल गांधी ने 2008 में महाराष्ट्र के विदर्भ में कलावती के पति के आत्महत्या करने के बाद उनसे मुलाकात की थी। शाह ने बुधवार को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में राहुल गांधी का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि था।

अविश्वास प्रस्ताव पर पीएम बोले ये हमारे लिए शुभ

2018 में लाए तो हम ज्यादा सीटों से जीते, 2024 में बीजेपी रिकॉर्ड तोड़ेगी

एजेन्सी

नई दिल्ली। संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के तीसरे दिन गुरुवार को प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी ने अपने विचार व्यक्त किए हैं। देश की जनता ने हमारी सरकार के प्रति बार–बार जो विश्वास जताया है, मैं देश के कोटि–कोटि नागरिकों का आभार व्यक्त करने के लिए उपस्थित हुआ हूं। कहते हैं कि भगवान बहुत दयालु हैं। भगवान की मर्जी होती है कि वो किसी ना किसी के माध्यम से अपनी इच्छा की पूर्ति करता है। मैं भगवान का आशीर्वाद मानता हूं कि उन्होंने विपक्ष को सुझाया और वे इसका प्रस्ताव लेकर आए। 2018 में ईश्वर का आशीर्वाद था कि वे अविश्वास प्रस्ताव लाए थे। उस वक्त भी मैंने कहा

था कि हमारी सरकार के लिए ये फ्लोर टेस्ट नहीं है। ये उन्हीं का फ्लोर टेस्ट है। हुआ भी वही। जब मतदान हुआ, तो विपक्ष के पास जितने वोट थे, उतने भी जमा नहीं कर पाए थे। इतना ही नहीं, जब हम सब जनता के पास गए तो जनता ने भी पूरी ताकत के साथ इनके लिए नो कॉन्फिडेंस घोषित कर दिया। चुनाव में एनडीए को कहीं ज्यादा सीटें मिलीं। एक तरह से विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव हमारे लिए शुभ होता है। आज देख रहा हूं कि आज आपने तय कर लिया है कि एनडीए और बीजेपी 2024 के चुनाव में पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़कर जनता के आशीर्वाद से वापस आएगी। विपक्ष मणिपुर मुद्दे पर 26 जुलाई को केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया था। अगले दिन यानी 27 जुलाई को लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। विपक्ष के प्रस्ताव पर 3 दिनों से यहां काफी चर्चा हुई है। अच्छा होता कि सत्र की शुरुआत के बाद से ही विपक्ष गंभीरता के साथ सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेता। बीते दिनों इसी सदन ने और दोनों सदनों ने जनविश्वास बिल, मेडिकल बिल, डेंटल कमीशन बिल, आदिवासी बिल, डिजिटल डाटा प्रोटक्शन बिल जैसे कई महत्वपूर्ण बिल यहां पारित किए। ये ऐसे बिल थे, जो मछुआरों के हक के लिए थे। सबसे ज्यादा लाभ केरल को होना था। वहां के सांसदों से ज्यादा अपेक्षा थी कि गंभीरता से लेते बिल को। उन पर राजनीति हावी थी। युवाओं के लिए नई दिशा देने वाला बिल था। हिंदुस्तान को साइंस पावर बनाने की दिशा में बढ़ाने वाला बिल था। डिजिटल डाटा प्रोटक्शन बिल युवाओं से जुड़ा हुआ था। आने वाला समय टेक्नोलॉजी ड्रिवन है। लेकिन आपके लिए राजनीति प्राथमिकता है। गांव, दलित, गरीब, पिछड़ों के लिए बिल थे। इसमें इन्हें कोई रुचि नहीं है।

सम्पादकीय

बुल्डोजर न्याय

निस्संदेह, नूंह और गुरुग्राम की हिंसक घटनाओं को समाज, राज्य व देश हित में कदापि स्वीकार नहीं किया जा सकता। किसी भी समाज में संप्रदाय के आधार पर हुई हिंसा में जन–धन की हानि उसकी प्रतिष्ठा व प्रगतिशीलता पर सवाल खड़े करती है। ऐसा इसलिये भी है क्योंकि किसी तरह की सांप्रदायिक हिंसा का शिकार ऐसे लोगों को बनाया जाता है, जिनका घटनाक्रम से सीधा कोई संबंध नहीं होता। लेकिन हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस–प्रशासन की कार्रवाई पर यदि सवाल उठें तो यह भी चिंता की बात कही जानी चाहिए। हिंसा प्रभावित नूंह में कथित रूप से दंगे में भूमिका निभाने वाले कुछ लोगों के खिलाफ बुल्डोजर कार्रवाई को लेकर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की तल्ख टिप्पणी को इसी आलोक में देखा जाना चाहिए। अदालत ने पूछा है कि संप्रदाय विशेष के लोगों के खिलाफ कार्रवाई का तार्किक औचित्य क्या है? क्या कानून व्यवस्था बनाये रखने की आड़ में समुदाय विशेष की इमारतों को निशाना बनाया गया है? क्या प्रशासनिक अधिकारी कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं? इतना ही नहीं, अदालत ने राज्य सरकार को एक हलफनामा पेश करने का निर्देश भी दिया है, जिसमें उल्लेख किया जाए कि पिछले दो सप्ताह में नूंह और गुरुग्राम में कितनी इमारतें गिराई गई हैं? क्या इमारतों को गिराने से पहले कोई नोटिस जारी किया गया था? उल्लेखनीय है कि गत 31 जुलाई को एक धार्मिक जुलूस को भीड़ द्वारा निशाना बनाये जाने के बाद नूंह में सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। कालांतर हिंसा ने आसपास के इलाके को भी अपनी चपेट में ले लिया था। जिसमें गुरुग्राम भी शामिल था। दरअसल, पिछले कुछ दिनों में अधिकारियों द्वारा कुछ झुग्गियों और दुकानों सहित कथित रूप से अवैध रूप से बनी संरचनाओं को ढहा दिया था। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना था कि इनमें से कुछ आवास व प्रतिष्ठान दंगाइयों के थे। प्रशासन का दावा था कि इनके मालिकों को पहले नोटिस भी जारी किये गये थे। बहरहाल, प्रशासन के दावे के बावजूद अतिक्रमण हटाने व तोड़फोड़ की कार्रवाई के समय और पूरी प्रक्रिया में चयन को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। आरोप लगे कि हिंसा में कथित भूमिका की पूरी तरह जांच किये बिना ही अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को तत्काल सजा दी जा रही थी। दरअसल, बीते वर्षों में कुछ राज्यों खासकर भाजपा शासित राज्यों उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 'बुल्डोजर न्याय' प्रशासन की कार्यशैली का विशेष अंग बन गया है। पिछले साल जून में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के एक सलाहकार ने बुल्डोजर से एक इमारत ध्वस्त करने की तसवीर सोशल मीडिया पर जारी करते हुए चेतावनी दी थी कि कानून विरोधी कार्य करने वालों को ऐसा सबक सिखाया जायेगा। निस्संदेह, कानून की उचित प्रक्रिया की अवहेलना और बदले की भावना से राजकीय मशीनरी का काम करना न्याय क्रियान्वयन प्रणाली को कमजोर ही करता है। इसमें दो राय नहीं कि अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन जरूरी है कि स्थापित प्रक्रिया के अनुरूप ही कार्रवाई हो। ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे संदेश जाये कि यह कार्रवाई राजनीतिक या सांप्रदायिक सोच से प्रभावित होकर की गई है। पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय की तल्ख टिप्पणी को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। शासन–प्रशासन की विश्वसनीयता के लिये जरूरी है कि उसके फैसलों में नीर–क्षीर विवेक नजर आये। ऐसा उसे अपने विवेक से ही करना चाहिए और बार–बार अदालत को यह याद कराने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम एक धर्मनिरपेक्ष देश में रहते हैं। निस्संदेह, कानून को अपने हाथ में लेने वाले बख्शे नहीं जाना चाहिए, लेकिन कार्रवाई के दौरान यह संदेश कदापि नहीं जाना चाहिए कि संप्रदाय विशेष को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं सभी संप्रदायों के लोगों की भी जिम्मेदारी है कि हिंसा का सहारा लेने वालों को अलग–थलग करके कानून की मदद करें। सांप्रदायिक सोच के चलते ऐसे तत्वों का संरक्षण भी पुलिस–प्रशासन को ऐसे कदम उठाने को बाध्य करता है, जिसकी चपेट में निर्दोष लोग भी आ सकते हैं।

जातीय संघर्ष के नए चक्रव्यूह की तरफ बढ़ रहा देश

हाल में दो घटनाएं लगभग एक साथ हुई हैं, जो भारतीय राजनीति और सामाजिक न्याय के संघर्ष का नया मोर्चा खोल सकती हैं। पहला है–पटना हाईकोर्ट द्वारा बिहार की नीतीश सरकार को राज्य में जातिगत सर्वे कराने की अनुमति देना और दूसरा देश में ओबीसी आरक्षण को लेकर गठित रोहिणी आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपना। इस रिपोर्ट में आयोग ने ओबीसी जातियों को चार श्रेणियों में विभाजित करने की सिफारिश की है। यानी अगर जातिगत सर्वे से जहां बिहार में पिछड़ा वर्ग जातियों की सही संख्या का पता लगेगा, वहीं रोहिणी आयोग रिपोर्ट यदि लागू होती है तो ओबीसी में श्रेणीवार आरक्षण का नए सिरे से बंटवारा होगा। यानी कोटे के भीतर कोटा वाली व्यवस्था लागू होगी। वर्तमान में देश में ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण (राज्यों में यह प्रतिशत अलग–अलग है) लागू है। इन दोनों घटनाओं का राजनीतिक दल अपने हित साधन की दृष्टि से अलग–अलग तरीके से फायदा उठाएंगे। लेकिन एक बात साफ है कि इन घटनाओं ने ठंडी पड़ चुकी मंडल राजनीति को नए सिरे हवा दे दी है, जिसका काउंटर अब कमंडल राजनीति से करना मुनासिब नहीं होगा। इस 'मंडल पार्ट 2' में सबसे बड़ा खतरा ओबीसी के भीतर मचने वाला नया घमासान होगा, जिसका फायदा राजनीतिक दल कैसे और किस रूप में उठाएंगे, यह देखने की बात है। अगले एक दशक तक यही राजनीति देश पर हावी रह सकती है। जाति जनगणना की बिहार से हुई शुरुआत पूरे देश में ऐसी मांग के रूप में तेज होगी। इसका असर इस साल होने वाले चार राज्यों के विधानसभा और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पर पड़ेगा, क्योंकि पिछड़ा वर्ग आरक्षण की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण चरण तो राजनीतिक आरक्षण का है, जो अभी तक अनसुलझा है या यूं कहें कि उसे किसी तरह दूसरे मुद्दे उठाकर दबाकर रखा गया है। ओबीसी जातियों को शिक्षा और नौकरी में 27 फीसदी आरक्षण तो मिल ही चुका है। नया आंकड़ा आने पर सरकार को इस आरक्षण को भी बढ़ाना पड़ सकता है। साथ ही तमाम ओबीसी जातियां जनप्रतिनिधित्व में भी उनकी संख्या के हिसाब से आरक्षण मांगेगीं, जो अधिकांश राजनीतिक दलों के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। वो पुराना नारा 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' फिर जोर पकड़ेगा। ध्यान रहे कि देश में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का बिल इसी कारण से अटका हुआ है कि ओबीसी पहले अपना राजनीतिक आरक्षण सुनिश्चित करना चाहते हैं, उसके बाद ही महिला आरक्षण का समर्थन करना चाहते हैं। यही कारण है कि नौ सालों से केन्द्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के बाद भी भाजपा महिला आरक्षण बिल संसद में पारित कराने का साहस नहीं जुटा पाई है। देश में जाति आधारित जनगणना 1931 के बाद से नहीं हुई है। आजादी के बाद से देश में अनुसूचित जाति और जनजातियों की गणना तो होती है, लेकिन ओबीसी और सामान्य वर्ग की जातियों को अलग–अलग नहीं गिना गया है। फिर भी अनुमानतरू ओबीसी जातियों की संख्या 50 फीसदी के आसपास है। जाति गणना को अनदेखा करने के पीछे असल भय राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में ऊंची और प्रभावशाली जातियों का वर्चस्व छिनना है और संख्याधारित आरक्षण के आगे योग्यता के मूल्य का हाशिए पर जाने का है। देश में ओबीसी की वास्तविक संख्या कितनी है, यह तभी पता चलेगा, जब देश के सभी राज्यों में जाति जनगणना हो। अभी तक केन्द्र सरकार इसे नकारती आई है, क्योंकि इसमें धर्म के आधार काफी हद तक गोलबंद किए गए हिंदू समाज का जाति के आधार पर नए सिर से विभाजन का खतरा तो है ही, साथ में खुद ओबीसी श्रेणी में नए घमासान मचने की चिंता भी है (हालांकि मुसलमानों के मामले में वो इसी जाति चेतना की समर्थक है)। इससे भी बढ़कर परेशानी यह है कि अगर रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर सरकार ने कार्रवाई की तो वो पिछड़ी जातियां, जो ओबीसी आरक्षण के बाद सबल हुई हैं और इस आरक्षण का सर्वाधिक लाभ उन्होंने ही उठाया है, सरकार से नाराज हो सकती हैं।

संसद में भारत माता की तलाश

यह वाकई दुखद है कि आजादी के बहुप्रचारित अमृत काल को पार करने के बाद भी देश और नागरिकों की सर्वोच्च प्रतिनिधि कही जाने वाली संसद असली श्भारत माताश को नहीं जानती। उत्तर–पूर्वी राज्य मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव के दौरान लोकसभा में हुई बहस से तो ऐसा ही महसूस होता है कि अब भी हमारे अधिकतर जन प्रतिनिधि इस बात से पूर्णतरू अनभिज्ञ हैं कि आखिर भारत माता कौन है। यह सवाल तब उठा जिस समय कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मणिपुर में श्भारत माता की हत्या हुई है। मोदी और उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी के रिश्तों को लेकर बेबाकी से प्रश्न उठाने वाले राहुल मोदी सरकार और पूरी भारतीय जनता पार्टी की स्वाभाविकतरू आंखों की किरकिरी बने हुए हैं। मोदी सरनेम पर कर्नाटक की एक चुनावी टिप्पणी को लेकर उन पर दर्ज मुकदमे पर सुनाई सजा के कारण मार्च में उनकी सांसदी निलम्बित हो गयी थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी सजा पर रोक लगा देने के बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी गयी थी। फलतरू वे सोमवार से फिर लोकसभा में अपनी सीट पर नजर आये। इस बीच कांग्रेस समेत

विपक्षी गठबन्धन इंडिया ने मोदी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है, जिस पर तीन दिवसीय बहस जारी है। अनुमानों के विपरीत राहुल ने प्रस्ताव पर पहले दिन यानी मंगलवार को न बोलकर अपना वक्तव्य बुधवार को दिया। अपेक्षा के मुताबिक उन्होंने वहीं से अपने भाषण की शुरुआत की जहां उन्होंने पिछली बार छोड़ा थाय यानी गौतम अदानी को लेकर। उन्होंने उसमें मणिपुर को भी जोड़ा जो चर्चा का केन्द्रीय विषय है। साथ ही हरियाणा की हिंसा की बात भी छेड़ते हुए आरोप लगाया कि श्आप पूरे देश को जलाने में लगे हो। शीर्ष अदालत में जीत दर्ज कराने और खोया शासकीय आवास फिर से पा लेने का विजयी भाव तो उनकी मुद्रा और व्यवहार में नजर नहीं आया परन्तु भाजपा की खीझ और अपराध ा भाव के दर्शन चर्चा के पहले दिन ही होने लग गये थे। बहस को असम के सांसद गौरव गोगोई की ओर से शानदार शुरुआत मिलने से और भी परेशान भाजपा की झुंझलाहट निशिकांत दुबे के बयान में देखने को मिली जब उन्होंने व्यक्तिगत छींटाकशी करते हुए कहा कि श्सोनिया गांधी यहां बेटे को सेट करने और दामाद को भेंट करने के लिये बैठी हैं। इस घटिया टिप्पणी को शालीनता से दरकिनार करने वाली राहुल की मां का उल्लेख बुधवार को फिर से हुआ जब राहुल ने मणिपुर की भयावह स्थिति का वर्णन करते हुए इस बात का जिक्र किया कि श्मोदी उस हिंसाग्रस्त राज्य में नहीं गये क्योंकि वे मणिपुर को भारत का हिस्सा ही नहीं मानते।श भाजपा सरकार द्वारा वहां अपनाई गयी विभाजनकारी नीति की कड़ी आलोचना करते हुए राहुल ने कहा कि श्एक मेरी मां यहां बैठी हैं और दूसरी मां मणिपुर है जिसकी आप ने हत्या की है।श उन्होंने अपने भाषण में रामायण का संदर्भ देते हुए यह भी जोड़ा कि श्जैसे रावण केवल कुम्भकर्ण और मेघनाद की ही बात मानता था, वैसे ही मोदी केवल अमित शाह (केन्द्रीय गृह मंत्री) और अदानी की बात मानते हैं।श राहुल ने मोदी पर भारत माता की हत्या का आरोप लगाया, जो सांकेतिक अर्थ में था। अमेठी लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में उनकी प्रतिद्वंद्वी स्मृति ईरानी ने मौके को लपकते हुए इसे अपने भाषण का मुद्दा बना दिया। उन्होंने कहा कि श्जब राहुल कह रहे थे कि भारत माता की हत्या की जा रही है तो कांग्रेसी तालियां पीट रहे थे।

सवाल यह है कि राहुल गांधी के लिये आखिर भारत माता कौन है और स्मृति ईरानी किसे भारत माता मानती हैं। राहुल के परनाना व देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अहमदनगर जेल में लिखी अपनी प्रसिद्ध किताब श्हिन्दुस्तान की कहानीश में बतलाया है कि श्कभी ऐसा भी होता है कि मैं किसी जलसे में पहुंचता हूं तो मेरा स्वागत भारत माता की जय!श के साथ होता है। मैं लोगों से अचानक पूछ बैठता हूं कि इस नारे का मतलब क्या है? यह भारत माता कौन है, जिसकी वे जय चाहते हैं? आगे नेहरू लिखते हैं कि जब उन्हें जवाब नहीं सूझता तो मैं ही उन्हें बताता हूं कि हिन्दुस्तान की नदी, पहाड़, जंगल, खेत जो हमें अन्न देते हैं वे सारे हमें अजीज हैं लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है, वे हैं हिन्दुस्तान के लोग। उनके और मेरे जैसे लोग जो इस सारे देश में फैले हुए हैं। भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं और भारत माता की जय! से मतलब हुआ इन लोगों की जय।

मैं उन लोगों से कहता हूं कि तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारत माता हो। असली मतांतर यही है कि राहुल लोगों में ही भारत माता को देखते हैं जबकि स्मृति ईरानी जिस विचारध ारा की नुमाइंदगी करती हैं वह भारत माता को एक दैवीय स्वरूप में परिकल्पित कर जनता के भौतिक दायित्वों से मुक्त हो जाती हैं। जनता जनार्दन में भारत माता को देखने का अर्थ है उसकी जरूरतों को समझते हुए उसकी तरक्की व खुशहाली के प्रति दायित्वबोध और उसके सुख–दुख में शामिल होना। भारत माता को ईश्वरीय रूप देने का उद्देश्य उसके नाम से लोगों का भावनात्मक दोहन कर उसका सियासी लाभ लेना है। भारत में जारी विचारधाराओं के बीच जारी मौजूदा संघर्ष का यह महीन पहलू है जिसे स्मृति ईरानी को नहीं जनता को समझना होगा।

बघेल सरकार की जमीनी योजना

आदित्य नारायण

2018 में भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए थे। उस वक्त भी टी.एस. सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, चरणदास महंत जैसे दिग्गज नेता मुख्यमंत्री पद की दौड़ में थे। लेकिन भूपेश बघेल सब पर भारी पड़े। भूपेश बघेल ने 1993 में पहली बार दुर्ग की पाटन विधानसभा से चुनाव लड़ा था। 1998 में भाजपा की निरुपमा चन्द्राकर को हराने के बाद उन्हें मध्य प्रदेश कीध दिग्विजय सिंह सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। छत्तीसगढ़ अलग राज्य बनने के बाद 2003 में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई तब भूपेश बघेल ने विधानसभा में विपक्षी दल के उपनेता की जिम्मेदारी निभाई। ऐसा नहीं है कि भूपेश बघेल ने हमेशा ही जीत का स्वाद चखा है। 2004 में और 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। क्रिकेट की एक चर्चित कहावत है 'कैचस विन मैचस' मतलब कैच गिरा और मैच हाथ से गया। न खेल में न ही राजनीति में चूक की कोई गुंजाइश नहीं होती। भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री बनकर ऐसा कैच पकड़ा कि वह हर बाजी जीतते ही चले गए। छत्तीसगढ़ में उनके नेतृत्व में राज्य ने न केवल अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाई बल्कि आर्थिक रूप से भी काफी प्रगति की। छत्तीसगढ़ को सश्य श्यामला धरती कहा जाता है। राज्य में भरपूर खनिज सम्पदा है। सबका लाभ यहां के लोगों को मिलना चाहिए। लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार घमिलना ही चाहिए। भूपेश बघेल ने जमीनी राजनीतिज्ञ होने का परिचय देते हुए इन्हीं सब बातों पर ध्यान केन्द्रित किया और राज्य के लोगों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाईं। लोगों के अधिकारों एवं उनके सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए। एक तरफ गोबर बेचकर लोग पैसा कमा रहे हैं, तो दूसरी तरफ लघु उपज का संग्रहण अधिक हुआ। इससे लोगों की आमदनी बढ़ी। बघेल सरकार द्वारा शुरू की गई राजीव गांधी न्याय योजना के कारण पशु पालन की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा, दूध और धान के उत्पादन में वृद्धि हुई और इससे लोगों के जीवन में बहुत परिवर्तन आया। छत्तीसगढ़ की पहचान कभी लाल आतंक की बन गई थी। बघेल सरकार ने राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ध्विकास की बयार बहाई और इन क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था से लेकर रोजगार तक काम किया गया जिससे राज्य के लाल आतंक की पहचान ही बदल गई। यद्यपि विपक्ष भाजपा राज्य सरकार की आलोचना तो करती है लेकिन यह भी तथ्य है कि राज्य की कई योजनाओं को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।राज्य में काफी आबादी आदिवासियों की है। राज्य सरकार ने आदिवासियों के जीवन स्तर को सुधारने, उनकी सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए। विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बस्तर और सरगुजा संभाग को 1000 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने आदिवासी पर्व सम्मान निधि योजना की दूसरी किश्त में 5633 पंचायतों को जारी कर दी है। आदिवासी पर्व सम्मान योजना के तहत वन अधिकार पत्र, वन संसाधन अधिकार पत्र और सामुदायिक वन अधिकार पत्र वितरित घकिए गए हैं। इन योजनाओं के चलते आदिवासी युवा, किसान, मजदूर संतुष्ट नजर आ रहे हैं। सरकार की नीतियों के चलते महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए 13 हजार करोड़ के ऋण माफ किए गए हैं। महिलाओं के आत्मसम्मान के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। धान की खरीद ने रिकॉर्ड कायम कर डाले। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद अब तक सर्वाधि ाक धान खरीदी खरीफ सीजन में हुई। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का पुराना रिकॉर्ड भी टूट गया। छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले साल धान की प्रति क्विंटल 1940 रुपए के खरीद मूल्य को बढ़ाकर वर्ष 2023–24 के लिए 2040 रुपए कर दिया है। इसके अलावा धान ए ग्रेड की कीमत 2060 रुपए किया गया है। इससे किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य मिल रहा है। किसान घर बैठे टोकन लेकर ध ाान बेच रहे हैं। सबसे ज्यादा धान जमा करने वाला छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बन चुका है। भूपेश बघेल के नाम बड़ी उपलब्धि यह है कि उनके शासन के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते खेती–किसानी और किसानों के जीवन में सुखद बदलाव आया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य में फसल उत्पादकता एवं फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अलावा गोधन न्याय योजना, सुराजी गांव योजना, किसानों की कर्ज माफी, सिंचाई कर माफी से राज्य के किसानों को एक नई ताकत मिली है, जिसके चलते राज्य में किसानों की संख्या और खेती के रकबे में लगातार वृद्धि हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से इन चार वर्षों में लगातार किसानों की पंजीयन संख्या में वृद्धि हुई है। इस वर्ष 24.96 लाख किसानों ने पंजीयन कराया है, इनमें 2.30 लाख नए किसान हैं। किसानों को धान विक्रय में सहूलियत हो इस लिहाज से इस साल राज्य में 135 नए उपार्जन केन्द्र शुरू किए गए, जिसके कारण कुल उपार्जन केंद्रों की संख्या 2617 हो गई है। भूपेश बघेल का कांग्रेस पार्टी में राजनीतिक कद काफी बढ़ चुका है। कांग्रेस ने एक किसान के बेटे को मुख्यमंत्री बनाकर एक संदेश दिया था कि राज्य के किसान आध्दिवासी गरीब सब सुरध्क्षित रहेंगे। मुख्यमंत्री यह संदेश देने में सफल रहे हैं। उन्होंने एक आक्रामक राजनीति करने वाले कांग्रेस नेता के रूप में पहचान भी बनाई है। वे ध्विपक्ष के आरोपों का जवाब आक्रामक तरीके से देते आ रहे हैं। इसलिए वह विपक्ष के साथ–साथ पार्टी के अन्य नेताओं पर भारी पड़ रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष :– मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीवन साथी के स्वास्य का ध्यान रखें।

बृषभ मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा।

मिथुन :– आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेकर मन में चिंता होगी।

कर्क :– पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे–संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कायरे द्वारा उसकी प्राश्चित भी करें।

सिंह :– पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। परिवार को सुव्यवस्थित चलाने में आपका विशेष योगदान होगा। किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

कन्या :– मन ढ़ेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित होगा। पुरानी बातों कों भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें। मन पर नियंतण्ररख कर्त्तव्यनिष्ठ बने। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव।

तुला :– आज सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिक :– आज परिजनों के सुख–दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केंद्रित होगा।

धनु :– निराशावादी विचारों को त्याग आशावादी बनें। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनायें। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

मकर :– मन सुंदर विचारो से सिंचित होगा। धार्मिक व पारंपरिक कायरें की ओर मन केंद्रित होगा। नये कायरें में संलग्नता से लाभ संभव। आलस्य का त्याग करें।

कुंभ :– अपने सुख–दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन :– :– किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। धनागम की नयी युक्तियों पर मन केंद्रित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

सीमित संसाधनों पर जनसंख्या का बोझ

संजीव ठाकुर

भारत की वर्तमान में जनसंख्या भारी–भरकम देश चीन की जनसंख्या से भी ज्यादा हो गई है। यानी कुल मिलाकर एक अरब चालीस करोड़ आबादी वाला भारत में जनसंख्या के बोझ तले विकास और उन्नति बेहद धीमी और अविकसित है। विकसित तथा समृद्ध देश भारत की जनसंख्या में एक संभावना वाला उपभोक्ता बाजार तलाशते हैं और इसे बहुत बड़ी पूंजी भी मानकर अपनी उपभोक्ता सामग्री भारत में बेचने का प्रयास करते हैं। केवल बाजार में निवेश और बाजारी ताकत ही विकास का पैमाना नहीं हो सकती है। बहुत बड़ी जनसंख्या सीमित संसाधनों को नष्ट कर देती है और विकास की धार को कमजोर करने का काम करती है। यदि हम जनसंख्या पर नियंत्रण करते हैं तो देश में बिजली, पानी की कमी बढ़ती महंगाई, फैलती विनाशकारी बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, अशिक्षा के फैलाव पर नियंत्रण, गरीब व्यक्ति को और गरीब होने से रोकने का प्रभावी तरीका तथा सांप्रदायिक दंगों पर रोक लगाई जा सकती है। कम और नियंत्रित जनसंख्या तेजी से विकास का पैमाना हो सकती है। 1951 से लेकर 81 तक भारत में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है और इसे जनसंख्या विस्फोट का भी नाम दिया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ में जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने हेतु प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। वर्तमान जनसंख्या का विशाल स्वरूप 1981 के बाद भारत में विशालतम हो गया है और आज की जो जनसंख्या का विस्फोट उसी की परिणति है। भारत में जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण अशिक्षा, अंधविश्वास और घटती मृत्यु दर भी है। सीमित संसाधन कमजोर आर्थिक व्यवस्था के कारण देश में बेरोजगारी भ्रष्टाचार

गरीबी महंगाई पानी तथा बिजली की कमी बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम ही हैं। यह तो अत्यंत निश्चित है यदि हम जनसंख्या पर नियंत्रण कर ले तो हम अपने विकास की गति को दोगुना कर सकते हैं। विकास के विभिन्न स्वरूपों को देखा जाए तो इसमें हम समावेशी विकास के रूप में देखकर आर्थिक विकास की उत्तर जनित राष्ट्रीय आय के विस्तृत नियोजन में समाज के सबसे गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को सही लाभ मिलने का नजरिया भी तलाशते हैं। जनसंख्या नियंत्रण कर गरीबी को नीचे से ऊपर की ओर सुध ारने का काम हमें करना होगा और इसके लिए यह जरूरी है की कमजोर और वंचित वर्गों जिनमें महिला, वृद्ध, एससी, एसटी,श्रमिक आदि शामिल हैं को समुचित लाभ मिलना चाहिए। बच्चे आने वाले देश के नागरिकों के लिए उचित एवं आवश्यक शिक्षा की सुविधा मुहैया होनी चाहिए। वैसे जनसंख्या नियंत्रण ही विकास की समुचित धारा नहीं हो सकती हमें जनसंख्या के साथ सामाजिक आर्थिक सुरक्षा एवं सीमित संसाधनों के साथ तालमेल बिठाकर निरंतर आगे बढ़ना होगा लेकिन आवश्यकता संसाधनों के उचित दोहन नीतियों एवं कार्यक्रमों की है और आवश्यकता है नवाचार एवं उचित तकनीकी प्रौद्योगिकी की भी। वर्तमान में भारत विश्व में सबसे युवा आबादी वाला देश है उसके विपरीत चीन और जापान में निरंतर जनसंख्या में वृद्धों का अनुपात बढ़ रहा है इस तरह भारत में प्रचुर मानव संसाधन के स्रोत उपलब्ध हैं जिसका सही उपयोग करके भारत अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को अत्यंत शक्तिशाली कर सकता है, इसके विपरीत भारत में विस्तृत रूप से गरीबी, बीमारियां, बेरोजगारी, जैसी विकराल समस्या में विद्यमान है। विश्व के कई कम आबादी वाले देश जैसे सोमालिया,लिथुआनिया आदि गरीबी, बेरोजगारी, आतंकवाद की समस्या से दो–चार हो रहे हैं और कम जनसंख्या के बावजूद विकास नहीं कर पा रहे हैं ।जबकि बहुत बड़ी जनसंख्या वाले देशों में चीन और अमेरिका विकसित राष्ट्रों की कतार में हैं एवं विकास के शीर्ष पर हैं। भारत के पास सभी संसाधन और विकसित होने के सारे अवयव हैं इसके बावजूद भारत विज्ञान, टेक्नोलॉजी मैं काफी पीछे होकर अशिक्षा, अंधविश्वास ,कृषि कार्यों का निम्न स्तर आर्थिक असमानता की समस्याएं झेल रहा है जो भारत के विकास में बाधक है। भारत में अब आज की व्यवस्था में जनसंख्या नियंत्रण तो होना ही चाहिए इसके साथ जरूरत है संसाधनों के उचित प्रयोग एवं सदुपयोग की। अब सोचने की हमारी बारी है क्या जनसंख्या नियंत्रण गरीबी दूर करने बेरोजगारी दूर करने दंगा रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ शासन प्रशासन पर ही है ,हम आम नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती जबकि हम जानते हैं कि समस्याओं को उत्पन्न करने में हम ही लोग ज्यादा जिम्मेदार हैं हम लोग को यह समझना होगा कि समस्याओं से निपटने की हमारी भूमिका उतनी ही अहम है जितनी शासन–प्रशासन की। इसीलिए जनसंख्या नियंत्रण उपलब्ध संसाध ानों के समुचित सही दोहन की जिम्मेदारी हम सब पर होती है इसमें समुचित सहयोग प्रदान करना होगा तब जाकर भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आकर खड़ा हो सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज के रंग कर्म की प्रेरणा देते है : ज्ञान प्रकाश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के लोहिया पार्क में शुक्रवार को 111 फीट स्तंभ पर नवीन राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के पहल पर जिले के तीन शहीद परिवार के परिजनों ने किया। 60 फीट लंबाई एवं 40 फीट चौड़ाई के इस राष्ट्रीय ध्वज को स्वतंत्रता दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर चल रहे विभिन्न कार्यक्रम के तहत आरोहण जिला उद्यान अधिकारी डॉक्टर सीमा सिंह के प्रेरणा से किया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि तिरंगा झंडा राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं हम सब का जीवन दर्शन एवम कर्म योग का प्रेरक है। इसके तीनों रंग हमें समाज में करने वाले सुकर्म की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि लोहिया पार्क का यह विशालकाय राष्ट्रीय ध्वज समस्त जनमानस के बीच राष्ट्र प्रेम का संचार करता है।

इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी डॉक्टर सीमा सिंह ने कहा कि यह राष्ट्रीय ध्वज समस्त जनपद के लिए मान सम्मान का प्रतीक है। इस पार्क के रखरखाव एवं सुंदरीकरण के लिए उद्यान विभाग सदैव कटिबद्ध रहेगा। पत्रकार मधुकर तिवारी ने कहा कि इस राष्ट्रीय ध्वज स्तम्भ पर सदैव समय–समय पर नवीन राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण कराकर समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह अपने राष्ट्र प्रेम को परिलक्षित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। इस अवसर पर ज्ञान प्रकाश सिंह एवं समस्त आगंतुको ने लोहिया पार्क परिसर में पौधारोपण किया। कार्यक्रम में समाज सेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने ध्वज आरोहण करने आए शहीद राजेश सिंह के पिता राजेंद्र सिंह शहीद जिलाजीत यादव की माता उर्मिला यादव एवं शहीद राकेश सिंह की पत्नी सरोज सिंह को शाल माला एवं स्मृति पत्र देकर सम्मानित किया। कचगांव इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने इस अवसर पर कैप्टन अभिषेक सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय ध्वज प्रोटोकॉल के तहत ध्वज आरोहण करके सलामी दी और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में पत्रकार डॉक्टर मधुकर तिवारी, रामकृष्ण दुबे बबलू अंजना सिंह उर्वशी सिंह मेनका सिंह जयेश सिंह शैलेन्द्र सोनकर आलोक तिवारी,शरद पाठक, मुकेश सिंह,सुनील यादव, मयंक नारायण,अनुराग तिवारी,अरूण सिंह सहित जनपद के तमाम गणमान नगर वासी उपस्थित रहे।

भारत छोडो आन्दोलन स्वाधीनता का महानतम प्रयासः प्रो.रणजीत कुमार पाण्डेय

1-श्मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत भारत छोड़ो आंदोलन पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गाँधी स्मारक पी.जी. कालेज समोधपुर जौनपुर में प्रबंधक श्री हृदय प्रसाद सिंह श्शनूश के संरक्षकत्व तथा प्राचार्य प्रो रणजीत कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में श्मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत छोड़ो आंदोलन पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो रणजीत कुमार पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि महात्मा गाँधी का यह भीषणतम आन्दोलन था।यद्यपि 1857 के बाद देश की आजादी के लिए चलाए जाने वाले सभी आंदोलनों में यह सबसे विशाल और तीव्र था, तथापि यह आन्दोलन दीर्घजीवी नहीं रहा और इसका अन्त भी दुःखद हुआ फिर भी इस आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी।भारतीय स्वाधीनता के लिए महानतम प्रयास के रूप में वर्णित यह आन्दोलन भारतीय स्वाधीनता की पृष्ठिभूमि था।

राजनीति विज्ञान के प्रो अरविन्द कुमार सिंह भारत छोड़ो आन्दोलन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।डॉ लालमणि प्रजापति ने राष्ट्र प्रेम के साथ–साथ छात्र–छात्राओं को देश एवं वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहने को कहा। संगोष्ठी में शिक्षा यादव, तान्या तिवारी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

इस अवसर पर डॉ लक्ष्मण सिंह,डॉ नीलमणि सिंह, डॉ उदय प्रताप सिंह,श्री जितेंद्र सिंह,श्रीमती नीलम सिंह, विकास यादव, जितेंद्र कुमार, बिंद प्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, खुशी सिंह,काजल तिवारी श्रेया सिंह,साक्षी तिवारी आदि मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डॉ अविनाश वर्मा ने किया।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' विगत दिवस राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के तत्वाधान में अध्यक्षध्जिला जज राजकुमार सिंह जी एवं सचिवध्अपर जिला जज सुधाकर दुबे जी के आदेशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति बिलग्राम के सचिवध् तहसीलदार विनीत कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में विकासखंड बिलग्राम के ग्राम पंचायत भवन कटरी छिबरामऊ में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता तहसील प्रशासनिक अधिकारी विनोद कुमार त्रिवेदी व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश कुमार, के द्वारा संयुक्त रूप से की गई शिविर में उपस्थित ग्राम वासियों को लीगल एड क्लीनिकपी एल वी प्रेमचंद्र के द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का शुभारंभ मई 2021 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया, जिसके माध्यम से कोविड–19 कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों को आर्थिक सहायता व शिक्षा से लेकर शादी तक का खर्च यूपी सरकार द्वारा उठाया जाएगा इस योजना के अंतर्गत शादी योग्य होने पर लड़कियों को 101000.00 रूपयों की आर्थिक सहायता सरकार द्वारा प्रदान की जायेगी। पीएलवी प्रदीप कुमार के द्वारा उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत निशुल्क शिक्षा व लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई, तथा शिविर में प्रमुख रूप से उपस्थित राजस्व निरीक्षक कृष्णानंद बाजपेई, पंचायत सहायक चारुल राजपूत, सम्मानित ग्रामवासी एवं लीगल एड क्लीनिकपीएलवी समर सिंह, उमेश दोहरे, पीएलवी आशीष कुमार तिवारी व रूबी देवी उपस्थित रहीं।

डायट जौनपुर में मनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गतष्हर घर तिरंगाष् एवं श्मेरी माटी मेरा देशष् कार्यक्रम के अंतर्गत आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जौनपुर में प्रभात फेरी निकाली गई तथा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया स उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा द्वारा बताया गया कि आजादी का अमृत महोत्सव योजना के अंतर्गत यह कार्यक्रम 9 से 15 अगस्त तक श्मेरी माटी मेरा देशष् अभियान लगातार कराया जाएगा जिससे प्रत्येक नागरिक में देश के प्रति प्रेम, सम्भाव, भाईचारा का विकास होगा स इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रवीन्द्र नाथ यादव, समस्त प्रवक्ता, समस्त कर्मचारी, ह्यूमाना के सदस्य, तथा समस्त डी.एल.एड. प्रशिक्षु ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया ।

कृषि उद्यम से बढ़ेगी किसानों की आय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सिद्दीकपुर में शुक्रवार को एग्री जंक्शन लाभार्थियों के 13 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुई इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि कृषि उद्यम से किसानों की आमदनी बढ़ेगी इसके लिए सरकार द्वारा कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है। मुख्य अतिथि उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय, उप परियोजना निदेशक आत्मा एवं निदेशक आरसेटी द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय द्वारा कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रशिक्षण उपरान्त देय सुविधाओं को ससमय उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन दिया गया।

लाभार्थियों को संबोधित करते हुए उप परियोजना निदेशक (आत्मा) डा0 रमेश चंद्र यादव ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने एवं कृषि स्नातकों को स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार प्रशिक्षित उद्यमी स्वावलंबन (एग्रीजंक्शन) योजना के तहत बेरोजगार कृषि स्नातकों को प्रशिक्षित कर रही है, उन्हें बीज खाद एवं रसायन के लाइसेंस के साथ बैंक से रुपये पांच लाख ऋण का ब्याज और एक साल तक का दुकान का किराया कृषि विभाग द्वारा दिया जा रहा है। जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में एग्री जंक्शन केंद्र खोले जा रहे हैं जहां किसानों को एक ही छत के नीचे उचित परामर्श के साथ कृषि निवेश के सारे सामान एक ही जगह पर सुगमता से उपलब्ध हो जाएंगे ।

उन्होंने कहा कि कृषि से जुड़े उद्योगों मीलेट्स प्रोसेसिंग, डेयरी पशुपालन, पोल्ट्री पर सरकार का विशेष जोर है इसके लिए सस्ते और अन्य संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। श्वेत व नीली क्रांति के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने पर बल दिया जा रहा है। अंत में आभार ज्ञापन वरिष्ठ संकाय अभिषेक दुबे ने किया।

इस मौके पर संस्थान निदेशक उपेन्द्र कुमार, संकाय श्रवण कुमार, जगदीश गौर, श्वेता सिंह, अतुल, अजित कुमार, कुलदीप, अंकुश सहित चयनित 29 एग्री जंक्शन लाभार्थी मौजूद रहे।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजीकृत) अवध क्षेत्र की विचार गोष्ठी सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजीकृत) अवध क्षेत्र की बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता पंडित संजय अवस्थी अध्यक्ष अवध प्रांत ने की। मुख्य अतिथि विदुषी कनुप्रिया, महामंत्री पूर्वी भारत, अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा और विशिष्ट अतिथि रागिनी अवस्थी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ अवध प्रांत रहीं। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजीकृत) की अवध क्षेत्र कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की गई एवं उन्हें दायित्वबोध कराया गया। इस अवसर पर सुश्री कनुप्रिया , जी सी त्रिपाठी , संजय अवस्थी, अशोक कुमार तिवारी, राकेश कुमार मिश्र, प्रमोद मिश्रा , अविनाश त्रिपाठी, रागिनी अवस्थी, उमा पांडेय, प्रतिभा मिश्र, आंचल शर्मा , दीप्ति मिश्रा, अजीत पाठक अखिलेश शुक्ला, कौशल किशोर त्रिवेदी, और मोंटी शुक्ला सहित तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे। अवध क्षेत्र की कार्यकारिणी में अध्यक्ष पंडित संजय अवस्थी, कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शुक्ला, महामंत्री जी सी त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरके त्रिपाठी, उपाध्यक्ष क्षितिज पाठक, संगठन मंत्री आरके मिश्रा, कोषाध्यक्ष अशोक तिवारी एडवोकेट मनोनीत किए गए। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की लखनऊ जनपद की प्रस्तावित कार्यकारिणी में अध्यक्ष प्रेम सागर त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष निरंजन गौतम, उपाध्यक्ष अशोक कुमार तिवारी रिटायर्ड इंस्पेक्टरमहामंत्री – पंडित अविनाश त्रिपाठी और संगठन मंत्री – पंडित देव दत्त पांडेय, कोषाध्यक्ष आलोक प्रभाकर अवस्थी, मीडिया प्रभारी आचार्य आर एल पाण्डेय मनोनीत किए गए।

भारतीय किसान यूनियन के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर नेताओं कार्यकर्ताओं ने अयोध्या में निकाली ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अचारी सगरा से डीएम कार्यालय तक निकला तिरंगा यात्रा, 50 से अधिक तिरंगा यात्रा में ट्रैक्टर रहे शामिल, नेताओं कार्यकर्ताओं ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित सौंपा 11 सूत्रीय ज्ञापन, ज्ञापन में किसानों की समस्याओं को निस्तारित करने की मांग, छुट्टा जानवरों से निजात दिलाने की मांग गन्ना मूल्य ₹500 प्रति कुंतल घोषित करने की मांग, जिन जिन चीनी मिलों पर किसानों का गन्ना मूल्य बकाया तुरंत भुगतान कराने की मांग।

23 अगस्त को तुलसी जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत जनपद गोंडा में मनाई जाएगी तुलसी जयंती : डॉ स्वामी भगवदाचार्य जी महाराज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री तुलसी जन्मभूमि न्यास एवं सनातन धर्म परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ स्वामी भगवदाचार्य जी महाराज ने उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि श्रीरामचरितमानस के रचयिता विश्वकवि गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म श्रावण शुक्ल सप्तमी को गोण्डा जिले में गुरु नरहरीदास आश्रम पसका सूकरखेत के पास तुलसीधाम राजापुर गांव में हुआ था। इस वर्ष यह तिथि 23 अगस्त 2023 को पड़ रही है। गोस्वामी तुलसीदास की लोकप्रियता के कारण तुलसी जयन्ती के सन्दर्भ में देश–विदेश में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में गोण्डा जिले के राजापुर में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इसमें देशभर से आये तुलसी के मर्मज्ञ विद्वान और अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोग अपने विचार व्यक्त करेंगे।

इसी अवसर पर श्रीरामचरितमानस पर भी चर्चा की जायेगी। जैसा कि आप जानते हैं कि पिछले दिनों कुछ व्यक्तियों ने श्रीरामचरितमानस की आलोचना की थी। उन लोगों को भी अपनी बात कहने के लिये निमंत्रण भेजा गया है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायपालिका के जुड़े लोग करेंगे। उनका निर्णय अन्तिम माना जायेगा। श्रीरामचरितमानस भारतीय संस्कृति का मानक ग्रन्थ है। इसकी पहुँच झोपड़ी से लेकर महलों तक है । गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस हमारे जीवन के संघर्षों में हमें आत्मबल प्रदान करता है। तुलसीदास जी की जन्मभूमि के बारे में कुछ लोग विवादास्पद बातें भी करते है। इस सम्बन्ध में कहना है कि अब तुलसीदास जी का जन्मस्थान गोण्डा जिले का तुलसीधाम राजापुर निर्विवाद सिद्ध हो गया है। इस सिलसिले में हमने सरकार को भी पत्र लिखा है कि वह अपने यहाँ पाठ्य पुस्तकों में संशोधन करके छात्रों को सही जानकारी दें। सरकार से आग्रह किया जाता है कि वह गोस्वामी तुलसीदास जी की स्मृति में गोस्वामी तुलसीदास विश्वविद्यालय की स्थापना करें और तुलसीधाम राजापुर सूकरखेत गोण्डा को तुलसी जन्मभूमि घोषित करें।

डॉ0 स्वामी भगवदाचार्य ने उक्त मांग की है।

21 अगस्त को आयोजित होगी राजकीय जुबली इंटर कॉलेज में मंडलीय विज्ञान संगोष्ठी–डॉ0दिनेश कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश प्रयागराज के तत्वाधान आयोजित करवाई जाने वाली मण्डल स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन मण्डल मुख्यालय के राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज निकट सिटी स्टेशन लखनऊ में 23 अगस्त को प्रातः 9 बजे से आयोजित की जाएगी। जे डी माध्यमिक लखनऊ कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों सीतापुर,लखीमपुर खीरी, उन्नाव,हरदोई,रायबरेली, लखनऊ से जनपद स्तर की विज्ञान संगोष्ठी में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कुल 12 छात्र छात्राएं प्रतिभाग करेंगे।

डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि जे0डी0माध्यमिक डॉ0प्रदीप कुमार सिंह ने मण्डल के सभी 6 जिला विद्यालय निरीक्षकों को अपने अपने जनपद की विज्ञान संगोष्ठी में चयनित होने वाले सिर्फ प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त विजेताओं की सूचना तत्काल राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य को उनके ईमेल gjiclko1051@gmail.com पर उपलब्ध करवाते हुए,मण्डलीय संगोष्ठी में विजेताओं को ससमय प्रतिभाग कराने के निर्देश दिए हैं। मण्डल स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी से चयनित प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त विजेता राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान प्रयागराज के सभागार में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में प्रतिभाग करेंगे जहां पूरे प्रदेश के 18 मण्डलों से कुल 36 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

इस वर्ष की विज्ञान संगोष्ठी का शीर्षक 'श्री अन्न एक मूल्यवर्धित पौष्टिक आहार अथवा भ्रांति आहार' रखा गया है,जिसपर प्रतिभागियों को 6 मिनट का निर्बाध व्याख्यान प्रस्तुत करना है। डॉ0दिनेश कुमार मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल ने कहा कि विज्ञान संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य कक्षा 8 से 10 में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं में वर्तमान परिवेश में समाज के लिए आवश्यक किसी एक वैज्ञानिक जागरूकता के निर्बाध प्रस्तुतिकरण की स्किल का विकास करना है।

15 अगस्त को होगा क्रास कन्ट्री रेस प्रतियोगिता का आयोजन

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' उपक्रीड़ाधिकारी ने बताया है कि खेल निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय हरदोई के द्वारा 15 अगस्त 2023 (स्वतंत्रता दिवस) के शुभ अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रातः 7.00 बजे 05 किमी0 ओपेन वर्ग की पुरूष एवं महिला वर्ग की क्रास कन्ट्री रेस प्रतियोगिता का आयोजन डी0एम0 चौराहे से किया जायेगा। उक्त रेस में आयु का कोई प्रतिबन्ध नहीं है खिलाड़ी अपना नामांकन स्टेडियम में रेस प्रारम्भ होने से एक घण्टा पूर्व निःशुल्क करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय हरदोई से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते है।

प्रगतिशील किसान को राजभवन से बुलावा

सुल्तानपुर। आजादी की छिहत्तरवीं वर्षगाँठ पर बल्दीराय तहसील क्षेत्र के नन्दौली निवासी प्रगतिशील किसान जमील अहमद को लखनऊ राजभवन से बुलावा आया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वतंत्रता दिवस पर स्वल्पाहार के लिए आमंत्रण पत्र भेजा गया है। पत्र में सप्तलीक 15 अगस्त की शाम 5 बजे पहुँचने को कहा गया है। जमील इसके पहले भी स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के मौके पर राजभवन आमंत्रित होते रहे हैं। अपने खेत में उपजे अनाज, फल और गुड़ लेकर भी जमील अहमद राजभवन जाते रहते हैं। पूर्व राज्यपाल राम नाइक से भी जमील के मधुर संबंध रहे हैं। जमील कहते हैं कि राजभवन से बुलावा आना हमारे और क्षेत्रवासियों के लिए गर्व की बात है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की उपेक्षा हुई तो होगा बड़ा आंदोलन

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महामंत्री सुरेश सिंह यादव ने बताया कि आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा में 3 अगस्त को बैठक हुई थी जिसमें समस्त राज्यों के महासंघ के एवं राष्ट्रीय स्तर केपदाधिकारी भारी संख्या में भाग लिए थे। बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर के गणेशन के अध्यक्षता में हुई थी। जिसमें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद भरे जाने,पुरानी पेंशन बहाल कर नई पेंशन योजना को खत्म किये जाने, निजी करण व्यवस्था खत्म किये जाने, अस्थाई रोजगार दिए जाने,

आठवां वेतन आयोग का गठन किया जाना आदि पर गहन मन्थन हुआ। श्री यादव ने कहा कि प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का उत्पीड़न बंद किया जाए। एक जनपद से दूसरे जनपद स्थानांतरण न किया जाए किए गए स्थानांतरण को निरस्त किया जाए उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी प्राप्त हो रही है हुई है। सुरेश सिंह यादव राष्ट्रीय डिप्टी जनरल सेक्रेटरी ने बताया कि विजयवाड़ा में सभी प्रदेश के पदाधिकारी एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने यह निर्णय लिया है।

अग्रवाल समाज का हरियाली तीज उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

संवाददाता

लखनऊ। श्री अग्रवाल समाज की ओर से हरियाली तीज उत्सव का भव्य आयोजन गुरुवार को सीएमएस स्कूल गोमतीनगर मे हर्षोल्लास के साथ से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अग्रवाल समाज के अध्यक्ष रवीश अग्रवाल, महामंत्री आशीष कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता ने महाराजा अग्रसेन जी की चित्र पर माल्यार्पण किया गया और उनकी आरती की। उसके बाद गणेश जी की नाट्य वंदना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुआ। महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल गोमती नगर की छात्राओं द्वारा सावन पर आधारित लोक गीतों जैसे कजरी, मेघा रे व अन्य गीतों पर लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। महाराजा अग्रसेन की छात्रों की खूबसूरत प्रस्तुति के बाद अनुराधा बंसल, अंजू गुप्ता, कुसुम अग्रवाल व अन्य के द्वारा सुंदर कव्वाली प्रस्तुत की गई। सलोनी गर्ग, प्रियंका,अर्चिता, शालिनी, आयुषी, निधि, पूजा, अंचल व अनुराधा अग्रवाल के द्वारा ले जा ले जा, तेरे वास्ते फलक से व उड़ी उड़ी जाए जैसे गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। मैया यशोदा, राधा ढूंढ रही किसी ने मेरा श्याम देखा.... में वृंदावन जाऊंगी व राधा तेरी चुनरी गीतों पर नीलम, रानी अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, कविता अग्रवाल, अंजना अग्रवाल व अनुराधा बंसल के द्वारा राधा–कृष्ण प्रेम का सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। तीज उत्सव के कार्यक्रम का पूर्ण संचालन शालिनी व बीना के द्वारा किया गया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष रवीश अग्रवाल द्वारा सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया गया।

असंगठित मजदूरों को मिले सामाजिक सुरक्षा का लाभ, साझा मंच ने निकाला जुलूस

संवाददाता

लखनऊ। असंगठित मजदूरों के साझा मंच की तरफ से आज लखनऊ में केकेसी से उपश्रम आयुक्त कार्यालय विशाल जुलूस निकाला गया और डीएलसी को ज्ञापन दिया गया। जुलूस में निर्माण, घरेलू कामगार, कुली, बेकरी के मजदूर बड़ी संख्या में शामिल थे। वक्ताओं ने श्रम मंत्री द्वारा कल विधान परिषद में 6 महीने में वेज बोर्ड बनाने के प्रस्ताव पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पहले से ही 2019 से उत्तर प्रदेश में न्यूनतम वेतन का वेज रिवीजन लंबित पड़ा हुआ है। ऐसे में 6 महीने का और समय लेना मजदूरों के साथ अन्याय है। सरकार को तत्काल में वेज रिवीजन करना चाहिए और न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि करनी चाहिए।

मजदूरों ने कहा कि असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा कानून 2008 के तहत योजनाओं का लाभ दिया जाना चाहिए। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का वेतन, पेंशन, आवास, बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। घरेलू कामगारों के लिए कानून बनाकर बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। राजस्थान सरकार की तरह उत्तर प्रदेश में प्लेटफार्म वर्कर के लिए कानून का निर्माण किया जाना चाहिए।

बाघ और तेंदुए के दांत मिलने से वन विभाग सतर्क

अयोध्या। रामनगरी में पंसारी की एक दुकान से बाघ और तेंदुए के 39 दांत व 20 नाखून मिलने के बाद वन विभाग के कान खड़े हो गए हैं।आशंका जताई जा रही है कि कहीं यह दांत जून में दुधवा नेशनल पार्क में मृत हुए चार बाघों के तो नहीं हैं। हालांकि अभी अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। प्रभागीय वनाधिकारी शितांशु पांडेय का कहना है कि इसे जांच के लिए इंडियन वेटरनी रिसर्च इंस्टीट्यूट देहरादून भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ पता चल सकेगा।

बुधवार को वन्य जीव क्राइम कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली, यूपी एसटीएफ व वन विभाग की टीम ने कोतवाली अयोध्या के प्रमोद वन तिराहे पर स्थित एक पंसारी की दुकान से भारी मात्रा में प्रतिबंधित वन्य जीवों के अंग बरामद किए हैं। टीम ने उक्त दुकानदार समेत गोंडा जिले के निवासी दो व्यक्तियों को मौके से गिरफ्तार किया है। वहीं, देर रात टीम ने गोंडा जिले से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के पास से बरामद सामान में 20 बड़े व 19 छोटे दांत, 20 नाखून, 106 सियार सिंघी, 140 पीस इंद्रजाल व 1800 ग्राम टुकड़े, दो हत्था जोड़ी व चार पीस अन्य जानवर के नाखून शामिल हैं। बरामद दांत बाघ व तेंदुए के बताए जा रहे हैं।बुधवार शाम से वृहस्पतिवार भोर तक चली कार्रवाई के बाद वन विभाग के मया रेंज में वन विभाग के दरोगा कमल सिंह की तहरीर पर पकड़े गए आरोपी बृजेश केसरवानी निवासी शास्त्रीनगर अयोध्या, दयाराम दुबे निवासी तरबगंज जिला गोंडा व संजय तिवारी निवासी पूरे उमापति गोपीनाथ पुर जिला गोंडा के खिलाफ वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत केस दर्ज कर उनका चालान कर दिया गया।

वहीं अधिकारियों के मुताबिक, टीम ने बुधवार की देर रात गोंडा जिले से बृजेश नाम के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे ही इस गिरोह का सरगना बताया जा रहा है।कार्रवाई करने वाली टीम में यूपी एसटीएफ के निरीक्षक वेद प्रकाश श्रीवास्तव, निरीक्षक संतोष कुमार सिंह व उनकी टीम, जिले के मया वन रेंज के रेंजर अरूण कुमार मौर्या, वन दारोगा कमल सिंह, अशोक श्रीवास्तव के अलावा वन्य जीव क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी शामिल रहे।

भाकियू ने ट्रैक्टर तिरंगा मार्च निकालकर नगर मजिस्ट्रेट के माध्यम से सीएम को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्देशानुसार जनपद इकाई अयोध्या के पदाधिकारियों ने पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मुताबिक दर्शन नगर अचारी का सगरा से कलेक्ट्रेट गांधी पार्क तक राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा के नेतृत्व में टैक्टर तिरंगा मार्च निकालकर प्रदेश के मुख्यमंत्री को 12 सूत्रीय समस्याओं का ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट अरविंद द्विवेदी को सौंपकर समस्या समाधान के मांग किया गया समाधान ना होने पर 18 सितंबर 2023 को लखनऊ इको गार्डन में राष्ट्रीय किसान महापंचायत करने की घोषणा की गई।बताते चलें कि अचारी का सगरा दर्शन नगर से सैकड़ो की संख्या में ट्रैक्टरों के साथ ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकालकर भारतीय किसान यूनियन ने अपनी शक्ति प्रदर्शन करते हुए गांधी पार्क पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित 12 सूत्रीय ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट अयोध्या अरविंद द्विवेदी को सौंप कर समस्या समाधान की मांग किया गया।ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा आचारी का सगरा दर्शन नगर से निकालकर 14 कोसी परिक्रमा मार्ग से होते हुए छभ्-27 से सहादतगंज पुलिस चौकी के पास से कलेक्ट्रेट गांधी पार्क में पहुंचकर समाप्त किया गया।किसानों को फ्री बिजली दी जाए, ट्यूबेल पर मीटर ना लगाया जाए, गन्ना मूल्य ध्500 प्रति कुंतल घोषित किया जाए तथा गन्ना मूल्य भुगतान डिजिटल व्यवस्था से कराया जाए, छुट्टा जानवरों को गौशालाओं में जमा कराया जाए और ग्राम पंचायत स्तर पर गौशालाओं का निर्माण कराया जाए तथा झटका मशीन फ्री में किसानों को उपलब्ध कराया जाए। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी कानून सी.2 लागू किया जाए, फसलों की बुवाई के समय पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, भूमि अधिग्रहण में किसानों को बाजार भाव का चार गुना भूमि का दाम दिया जाए, लखीमपुर कांड के दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाए, सुखा तथा बाढ़ की चपेट में क्षति फसलों का मुआवजा दिया जाए, ट्रालियों से यात्रा पर लगी रोक हटाई जाए आदि 12 समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया गया और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सोपा गया। प्रदर्शन में राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा, प्रदेश सचिव सूर्यनाथ वर्मा, जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य, भागीरथी वर्मा, शंकर पाल पांडे, देवी प्रसाद वर्मा, राजेश मिश्रा, संतोष बर्मा, रवि शंकर पांडे ,भोलानाथ टाइगर, महेंद्र वर्मा, जगदीश यादव ,मोहम्मद अली, रामबचन भारती, गब्बर गोस्वामी ,मस्तराम वर्मा, बैजनाथ निषाद ,रामगोपाल मौर्य, रविंद्र मौर्य ,विकास वर्मा, राजेश मिश्रा, राजदेव यादव, वेद प्रकाश पांडे, नाथूराम यादव, राम अवध किसान, तिलकराम मौर्य उर्मिला निषाद, शीला देवी सुनीता देवी, राजकुमारी, दशरथ सिंह, डॉ आर एस सरोज,जगन्नाथ पटेल जितेंद्र कुमार ,मोहम्मद अयूब राजेश वर्मा महेश वर्मा आदि सैकड़ों किसान शामिल रहे।

एम थ्री रेस्टोरेंट का महंत महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने फीता काट कर किया शुभारंभ

अयोध्या। शहर के देवकाली स्मार्ट बाजार रोड शक्ति नगर स्थित एम थ्री कैफे एंड रेस्टोरेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में आये नगर निगम के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने फीता काटकर किया।इस मौके पर पर रेस्टोरेंट के प्रोपराइटर गोपाल सिंह व स्वीटी ने मुख्य अतिथि महंत गिरीशपति त्रिपाठी का बुके देकर और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर रेस्टोरेंट के प्रोपराइटर गोपाल सिंह ने बताया कि इस रेस्टोरेंट में चाइनीस, कंटिन्यूएण्टल, इंडियन तंदूर, साउथ इंडियन के साथ खाने की सुविधा उपलब्ध है। रेस्टोरेंट के प्रोपराइटर ने कहा कि हमारा यहां रेस्टोरेंट पहले से था लेकिन जगह कम थी।

जगह को बढ़ाया गया।जिसका आज शुभारंभ नगर निगम के महापौर ने किया है।उन्होंने कहा कि अयोध्या में आने वाले पर्यटकों को देखते हुए हर प्रकार खाने की सुविधा दी जाएगी,ऑनलाइन की भी सुविधा उपलब्ध है।इस मौके पर मेहंदी डेंटल के डॉक्टर एस एच मेहंदी, डाक्टर अजय तिवारी,आलोक सिंह,दुर्गेश सिंह डंबल सिंह, विश्वनाथ पांडे, पीयूष सिंह,अमर सिंह, पवन धर द्विवेदी, हितेश सिंह, पार्षद चंदन सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

भुवन डायग्नोस्टिक सेंटर पर जांच में सिटी मजिस्ट्रेट को मिलीं कमियां, उच्चाधिकारियों को भेजेंगे रिपोर्ट

अयोध्या। शहर में धड़ल्ले से चल रहे डायग्नोस्टिक सेंटरों पर लगाम लगाने के लिए गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए कई जगहों पर निरीक्षण किया। इस दौरान सेंटरों की जांच पड़ताल करने के बाद कागज खंगाले गए।स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से जांच केंद्रों पर हड़कंप मच गया। गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद द्विवेद्वी व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को शहर के भुवन डायग्नोस्टिक सेंटर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस दौरान पत्रावलियों की जांच–पड़ताल की और आवश्यक निर्देश दिए। सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद द्विवेद्वी ने बताया कि डायग्नोस्टिक सेंटर के रिन्यूवल के लिए आवेदन किया गया था। इसी को लेकर पत्रावलियों की जांच–पड़ताल की गई है। कुछ कमियां मिली हैं। उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की होगी।

जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति की बैठक हुई सम्पन्न

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति की बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने दिनांक 22 जुलाई 2023 को रोपित किये गये पौधों की सुरक्षा, सिंचाई रख रखाव का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। उन्होंने शेष सभी विभागों को 100 प्रतिशत टैगिंग कराने के निर्देश दिये। 15 अगस्त 2023 को वृक्षारोपण हेतु पौधों का उठान प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित कर लें। किसी प्रकार की समस्या होने पर कन्ट्रोल रूम नम्बर 9454843277 पर सम्पर्क कर सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार वृक्षारोपण गणना पंजिका निर्धारित प्रारूप पर तैयार कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में वृक्षारोपण अभियान 2023–24 हेतु निर्धारित पौधरोपण के लक्ष्य 40,72,680 के सापेक्ष दिनांक 22 जुलाई को 34,38,984 पौधे रोपित किये जा चुके है, शेष 633696 पौधों को 15 अगस्त 2023 को रोपित किया जायेगा। जिलाधिकारी ने रोपित पौधों को सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड भी लगवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव, प्रभागीय वनाधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, डीसी मनरेगा सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अयोध्या राम नगरी में बाघ और तेंदुए के दांत मिलने से वन विभाग सतर्क

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।अयोध्या रामनगरी में पंसारी की एक दुकान से बाघ और तेंदुए के 39 दांत व 20 नाखून मिलने के बाद वन विभाग के कान खड़े हो गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि कहीं यह दांत जून में दुधवा नेशनल पार्क में मृत हुए चार बाघों के तो नहीं हैं। हालांकि अभी अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। प्रभागीय वनाधिकारी शितांशु पांडेय का कहना है कि इसे जांच के लिए इंडियन वेटरनी रिसर्च इंस्टीट्यूट देहरादून भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ पता चल सकेगा। बुधवार को वन्य जीव क्राइम कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली, यूपी एसटीएफ व वन विभाग की टीम ने कोतवाली अयोध्या के प्रमोद वन तिराहे पर स्थित एक पंसारी की दुकान से भारी मात्रा में प्रतिबंधित वन्य जीवों के अंग बरामद किए हैं। टीम ने उक्त दुकानदार समेत गोंडा जिले के निवासी दो व्यक्तियों को मौके से गिरफ्तार किया है। वहीं, देर रात टीम ने गोंडा जिले से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बरामद सामान में 20 बड़े व 19 छोटे दांत, 20 नाखून, 106 सियार सिंघी, 140 पीस इंद्रजाल व 1800 ग्राम टुकड़े, दो हत्था जोड़ी व चार पीस अन्य जानवर के नाखून शामिल हैं। बरामद दांत बाघ व तेंदुए के बताए जा रहे हैं।

बुधवार शाम से वृहस्पतिवार भोर तक चली कार्रवाई के बाद वन विभाग के मया रेंज में वन विभाग के दरोगा कमल सिंह की तहरीर पर पकड़े गए आरोपी बृजेश केसरवानी निवासी शास्त्रीनगर अयोध्या, दयाराम दुबे निवासी तरबगंज जिला गोंडा व संजय तिवारी निवासी पूरे उमापति गोपीनाथ पुर जिला गोंडा के खिलाफ वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत केस दर्ज कर उनका चालान कर दिया गया। वहीं अधिकारियों के मुताबिक, टीम ने बुधवार की देर रात गोंडा जिले से बृजेश नाम के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे ही इस गिरोह का सरगना बताया जा रहा है।

कार्रवाई करने वाली टीम में यूपी एसटीएफ के निरीक्षक वेद प्रकाश श्रीवास्तव, निरीक्षक संतोष कुमार सिंह व उनकी टीम, जिले के मया वन रेंज के रेंजर अरूण कुमार मौर्या, वन दारोगा कमल सिंह, अशोक श्रीवास्तव के अलावा वन्य जीव क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी शामिल रहे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक की अनुपालन आख्या पर प्रस्तुत की गयी। इस दौरान अवगत कराया गया कि जनपद में 12 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये जिसमें सड़क सुरक्षा सम्बंधी कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने चिन्हित ब्लैक स्पॉटों पर आवश्यकतानुसार जर्सी बैरियर लाइटिंग, जेब्रा क्रासिंग व अन्य आवश्यक सुरक्षा सम्बंधी रोड फर्नीचर तत्काल लगवाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित अन्य सम्बंधित विभागों को आपेक्षित समय में ब्लैक स्पॉट को ठीक कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एनएचएआई पर अवैध कट कही न हो, रघुकुल रेस्टोरेंट के सामने कट को बंद करने का स्थायी समाधान किया जाये। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति विद्यालयों, कालेजों में बच्चों को योजनाबद्व तरीके से निरन्तर जागरूक किया जाये। सड़क सुरक्षा सड़क दुर्घटना से बचाव आदि सम्बंधी जागरूकता साहित्यों की प्रचार सामग्री को शिक्षण संसाधनों में उपलब्धा कराये तथा उनके प्रवेश द्वार पर लगाये जाए। सड़क दुर्घटना में घायलों को गोल्डेन आवर में ही चिकित्सालय तक पहुंचाने हेतु प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिये। सड़क दुर्घटना के लम्बित दावों को सम्बंधित बीमा कम्पनी से समन्वय कर निस्तारित करायें, बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, आरटीओ, एसपी ट्रेफिक, अपर नगर आयुक्त सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी की महिला सभा की जिला अध्यक्ष ने फूलन देवी के ६० वी जयंती मनाई

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य छोटे लाल यादव व महिला सभा की जिला अध्यक्ष सरोज यादव के नेतृत्व में वीरांगना फूलन देवी की 60वी जयंती गुप्तार घाट पर मनाई गई। वीरांगना फूलन देवी की जयंती के अवसर पर फूलन देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन कर उन्हें याद किया गया और श्रद्धांजलि दी गई। इस जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता और निषाद समाज के लोग मौजूद रहे। जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य छोटे लाल यादव ने वीरांगना फूलन देवी के सहसी जीवन परिचय को सुनाया और बताया कि फूलन देवी एक साहसी निडर महिला थी। जो अपने मान सम्मान और न्याय के लिए लड़ी और बहुत ऊंचाइयों पर गयी और दो दो बार सांसद बनी हम ऐसी वीरांगना को नमन करते हुए उनकी जयंती के अवसर पर सभी को बधाई देते हैं। वहीं महिला सभा जिला अध्यक्ष सरोज यादव ने भी बताया कि वीरांगना फूलन देवी एक साहसी महिला थी जिन्होंने अपनी लड़ाई लड़ी और अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज को बुलंद किया हम ऐसी वीरांगना को उनकी 60वीं जयंती के अवसर पर सभी को बधाई देते हैं। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारी सदस्य छोटे लाल यादव महिला सभा की जिला अध्यक्ष सरोज यादव, पिछड़ा वर्ग प्रभारी जगदीश यादव भगवानदीन निषाद व प्रदीप निषाद गोताखोर, बालकृष्ण निषाद डॉक्टर निसात अख्तर, रीता राही, पूनम यादव, अभिषेक यादव, रामदयाल निषाद, आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

'सुभाष नगर में अनियंत्रित काले रंग की थार नें कई वाहनों में मारी टक्कर, ३ लोग हुए चोटिल'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या नगर के चौकी चौक अंतर्गत सुभाष नगर में अनियंत्रित कार ने कई वाहनों को मारी टक्कर,3 लोग हुए घायल, चालक गाड़ी छोड़ भागा, थार गाड़ी पुलिस के कब्जे में ।

घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है डॉक्टर की टीम ने सभी घायलों को खतरे से बाहर बताया फिलहाल जिला अस्पताल में सभी भर्ती,इस मामले में पीड़ित परिवारों की तरफ से कोई भी तहरीर अभी तक नहीं दी गई है इंचार्ज विवेक राय से बात करने पर उन्होंने बताया गाड़ी पुलिस के कब्जे में ले ली गई है तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

घायलों में जरीना बानो ,मो शमीम ,मंगल गुप्ता व मो जहीर शामिल हैं।

२.'अयोध्या में भारतीय किसान यूनियन के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर निकाला ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

अयोध्या में भी भारतीय किसान यूनियन के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर नेताओं कार्यकर्ताओं ने निकाला ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाला गया, अचारी सगरा से डीएम कार्यालय तक तिरंगा यात्रा निकाली गई, 50 से अधिक तिरंगा यात्रा में ट्रैक्टर शामिल थे, नेताओं कार्यकर्ताओं ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन में किसानों की समस्याओं को निस्तारित करने की मांग की गई, छुट्टा जानवरों से निजात दिलाने की मांग, गन्ना मूल्य ध्500 प्रति कुंतल घोषित करने की मांग, जिन जिन चीनी मिलों पर किसानों का गन्ना मूल्य बकाया तुरंत भुगतान कराने की मांग की गई।

घर में सो रही महिला की सर्पदंश से मौत

अयोध्या। थाना कोतवाली इनायतनगर के ग्राम पंचायत देवरिया के मजरे बारुन बाजार के निवासी अजय कुमार कसौंधन की पत्नी कमलेश (35) की रात में सोते समय सर्पदंश से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार बुधवार रात में खाना खाने के बाद महिला बिस्तर पर सोने चली गई। जहां सोते समय रात लगभग 11 बजे बिस्तर पर उसे सांप ने डस लिया। जानकारी होने के बाद परिजनों ने आनन फानन में उसे जिला चिकित्सालय अयोध्या ले जाकर भर्ती कराया।जहां मध्य रात्रि में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के उपरांत जब विवाहिता का शव देर शाम बारुन बाजार पहुंचा तो वहां कोहराम मच गया। देखते ही देखते उसके घर पर बाजार वासियों का जमावड़ा लग गया। भीड़ में मौजूद सभी लोगों की आंखें नम थी।महिला अपने पीछे 5 मासूम छोटी छोटी बेटियों को छोड़ कर चली गई। इस घटना से हर कोई हतप्रद है। महिला की पांच छोटी बेटियों में सबसे छोटी बेटी चुलबुल 2 वर्ष की है तथा सबसे बड़ी लड़की का नाम राशि है जिसकी उम्र 12 वर्ष है।इसके बाद आराध्या 10 वर्ष,अनन्या 8 वर्ष,आरूषी 5 वर्ष है। महिला के परिजनों ने रात में ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

समाजवादी पार्टी ने पूरे अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में जन पंचायत का आयोजन किया।

अयोध्या। समाजवादी पार्टी अयोध्या विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्रों में जन पंचायत का आयोजन किया आयोजन में पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन मुख्य रूप से मौजूद रहे नंबर 1 ताहिर पुर बरौनी मे आयोजक तरजीत गोड़,2 समेसा में आयोजक संजय पांडे 3 गोविंदपुर में पंकज शर्मा 4 अंजना भवानीपुर में आयोजक नंद कुमार यादव 5 अट रावा में आयोजक उदल यादव 6 में ग्राम में मुहा सिमपुर में आयोजक गोपी वर्मा 7 समाहा खुर्द मे आयोजक धर्मवीर यादव ने किया महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा किए गए कामों को जनता के बीच में जाकर बताया एवं वर्तमान में प्रदेश सरकार की नाकामियों एवं जनता की परेशानी की जानकारी लेकर इसके निराकरण के लिए जिले के अधिकारियों से संपर्क करने के लिए कहा इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहां आज सरकार में बेरोजगारी चरम सीमा पर है नौजवान किसान व्यापारी सभी वर्ग के लोग परेशान आज अयोध्या के व्यापारी दुकान के टूट जाने से भुखमरी की कगार पर खड़ा है जिन की सुध लेने वाला कोई नहीं है उन्होंने परिक्रमा पथ पर हो रहे चौड़ीकरण के जद में आए हुए वहां के निवासियों एवं व्यापारियों का बुरा हाल है उनको मुआवजे के नाम पर बहुत कम पैसा दिया जा रहा है पूरे अयोध्या की सड़कों गलियों को खोदे जाने से सड़क पर चलना दूभर हो कई जगह पाइप लाइन कट जाने से लोगों को पानी नहीं मिल रहा पा रहा है स्कूल के बच्चे घंटो जाम में फंसे रहते हैं जिससे लोग परेशान हैं आज प्रदेश में भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा पर है इस मौके पर सपा विधानसभा अध्यक्ष रक्षा राम यादव ब्लॉक अध्यक्ष तरजीत गौड़ उपाध्यक्ष राजेश पटेल, शिव बरन यादव पप्पू पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ता आदि लोग मौजूद रहे।

दीवार गिरने से घायल किशोर की हालत गंभीर लखनऊ हुआ रेफर।

अयोध्या।रौनाही थाना क्षेत्र में सत्तीचौरा चौकी सोहावल विकास खंड क्षेत्र सारंगापुर निवासी 14वर्षीय दीवार गिरने से घायल अंकुश पुत्र संजय कुमार की तीन दिन बाद भी हालत गम्भीर बनी हुई है। विगत सोमवार की दोपहर बाद हुई बारिश के दौरान हर घर जल योजना के तहत ठेकेदार द्वारा पाईप डालने के लिए खोदी गयी गहरी नाली के कारण बरसात के दौरान पडोसी शिव कुमार कोरी की दीवार गिर गयी। जिसके कारण अपनी टिन शेड मे बैठा किशोर अंकुश दीवार की चपेट मे आने से घायल हो गया। गम्भीर रूप से घायल को परिजन इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गये। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी बेहोशी के हालत लखनऊअस्पताल रेफर हुआ सांसे गिन रहा है। जिम्मेदार ठेकेदार तथा ग्राम प्रधान तथा तहसील प्रशासन कोई सुध नही लेने के कारण परिजन इलाज करवाने के लिए एक एक पैसे इक्टठा कर जान बचाने की कवायद मे लगे हुए हैं। लेकिन तीन दिन बीत जाने के बाद भी होश में नही आने से पूरा परिवार बेटे को ठीक, होने की आंसू भरी आंखो मे जीवन की आस लगा बैठे हुए हैं।

भाजपा के खिलाफ लड़ाई में शामिल हों ओवैसी : शिवपाल

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव ने ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से संपर्क किया है। उनसे भाजपा के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए कहा है।इस कदम को समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम के बीच रिश्तों में नरमी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जो लंबे समय से आमने–सामने हैं।शिवपाल ने कहा, ओवैसी साहब बहुत अच्छे आदमी हैं लेकिन वह भाजपा के खिलाफ सपा से हाथ कब मिलाएंगे? 2017 के चुनावों से पहले सपा और एआईएमआईएम के बीच संबंध ठीक नहीं थे। उस समय तत्कालीन अखिलेश सरकार ने औवेसी को 17 मौकों पर यूपी के मुस्लिम बहुल जिलों आजमगढ़, मेरठ, गाजियाबाद, रामपुर और बहराइच में रैलियां करने की अनुमति नहीं दी थी।ओवैसी ने धमकी दी थी कि अगर उन्हें राज्य की राजधानी में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने की अनुमति नहीं दी गई तो वे लखनऊ में सड़कों पर उतरेंगे।ओवैसी ने एआईएमआईएम के जिला कार्यालयों में बैठकें करने का फैसला किया। उस समय से ही ओवैसी अखिलेश के अत्यधिक आलोचक रहे हैं।

चौकी प्रभारी के साथ रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने किया फ्लैग मार्च

अयोध्या। आगामी त्योहारों को मद्देनजर रखते हुए पुलिस प्रशासन ने शांति व्यवस्था को कायम रखने के उद्देश्य और असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी देने के लिए बृहस्पतिवार को चौकी क्षेत्र में सीआरपीएफ शाखा के रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की 91–डी बटालियन के जवानों ने आगामी त्यौहार 15 अगस्त, चेहल्लुम ,सावन मेला रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी के त्यौहार को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया।

पुलिस चौकी प्रभारी रजनीश पाण्डेय के नेतृत्व में सभी उपनिरीक्षकों व पुलिस बल के साथ

हैरिंग्टनगंज,धरमगंज,रेवतीगंज सहित प्रमुख बाजारों एवं संवेदनशील मोहल्लों से यह फ्लैग मार्च गुजरा। काफी संख्या में पुलिस बल को देखकर लोग घरों से बाहर निकल आए और दुकानों पर मौजूद लोग पुलिस को फ्लैग मार्च करते देख टकटकी लगाकर देखने लगे।चौकी प्रभारी रजनीश पाण्डेय ने बताया कि आगामी त्योहारों को लेकर काफी सतर्कता बरती जा रही है। ये फ्लैग मार्च उन लोगों के लिए कड़ी चेतावनी है, जो सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की फिराक में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की नई परंपरा की शुरुआत नहीं होने दी जाएगी। जो भी शांति भंग अथवा माहौल को खराब करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने कई संदिग्ध वाहनों की भी चेकिंग की।इस मौके पर आरएएफ की 91 वीं बटालियन की डी कंपनी के सहायक कमांडेंट प्रेम कुमार, कंपनी कमांडर चंद्र पाण्डेय, स्पेक्टर अमित कुमार दुबे भंवरलाल पुलिस चौकी के कांस्टेबल भानु यादव शिवम यादव तथा रैपिड एक्शन पुलिस फोर्स के जवान मौजूद रहे।

सुपरवाइजर समेत दो रामपथ से एक लाख का सामान लेकर फरार

अयोध्या। निर्माणाधीन रामपथ पर यूटिलिटी डक्ट का कार्य देख रही फर्म में तैनात सुपरवाइजर समेत दो लोग एक लाख रूपये की निर्माण सामग्री लेकर फरार हो गए। फोन किये जाने के बावजूद सामान वापस होने पर दोनों के खिलाफ गबन की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। फर्म प्रगति इंटरप्राइजेज के कैंट थाना क्षेत्र के तोगपुर सहादतगंज निवासी हेमंत सिंह का कहना है कि बलिया जिले के रसड़ा थाना क्षेत्र स्थित चिन्तामनपुर निवासी सुनील कुमार सिंह उनके यहां सुपरवाइजर पद पर तैनात था। 18 मई की रात उसकी ड्यूटी निर्माण के दौरान मजदूरों की मॉनिटरिंग के लिए लगाई गई थी। सुपरवाइजर सुनील अपने सहयोगी दिलीप की मदद से मौके से 25 पटरा,40 शटरिंग, 2 बाइब्रेटर, 2 निडिल, 50 ठठिया,एक ग्राइंडर और 8 मिमी व 10 मिमी की 100 पीस टाईरॉड लेकर गायब हो गया। सामान वापस करने के लिए सुपरवाइजर को कई बार फोन किया गया लेकिन उसने सामान नहीं लौटाया। शिकायत मिलने पर कैंट पुलिस ने दोनों के खिलाफ गबन की धारा में रिपोर्ट दर्ज की है।

महिला संग दुष्कर्म के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

अयोध्या।रौनाही थाना क्षेत्र में पुलिस चौकी सत्तीचौरा क्षेत्र के बड़ागांव निवासी अब्दुला पुत्र शमीम को पुलिस ने महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को धारा 376–506भादवि के अंतर्गत मीसा रोड से गिरफ्तार कर जेल भेजा। इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी ओ पी राय ने बताया कि उक्त आरोपी पर महिला ने दो वर्ष तक निकाह का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा था। रूदौली कोतवाली तथा रौनाही थाना की सीमा मीसा रोड पर मौजूद होने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर बुधवार की दोपहर को सत्तीचौरा चौकी प्रभारी रविश कुमार की टीम ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।